17-09-2020

सरकारी कार्यालयों में बढ़ रहा है हिन्दी का वर्चस्व

हिन्दी पखवाड़ा में प्रतिभागी पुरस्कृत किये गये

(आज समाचार सेवा)

कानपुर, 16 सितम्बर। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में हिन्दी पखवाड़ा सामाजिक दूरी व कोविड-19 के दिशा-निर्देशों के अनुरूप में मनाया गया। कार्यक्रम के दौरान छात्रों, कर्मचारियों, अधिकारियों एवं एमटीएस वर्ग के लिए अलग-अलग आयोजित विविधि प्रतियोगिताओं यथा हिन्दी निबंध, टिप्पण आलेखन, सामान्य ज्ञान प्रश्नोत्तरी, हिन्दी टंकण, हिन्दी व्याख्यान आदि में बड़ी संख्या में पुरुष व महिला प्रतिभागी शामिल हुए। इसमें हिन्दी श्रुतलेख (डिक्टेशन) के लिए अधिकारी वर्ग में डा. सीमा परौहा, आचार्य जैव रसायन को एवं हिन्दी टिप्पण आलेखन के लिए डा. जाहर सिंह, सहायक आचार्य शर्करा शिल्प व विनय कुमार, सहायक आचार्य शर्करा अभियांत्रिकी को पुरस्कृत किया गया। हिन्दी पखवाड़ा के दौरान विविध प्रतियोगिताओं हेतु संतोष कुमार त्रिपाठी, मोतीलाल, रंजन कुमार, उमाशंकर, महेद्र कुमार, उदय कुमार राम, रमाकांत, कविता दादू व दयाशंकर मिश्र आदि को पुरस्कृत किया गया। हिन्दी टंकण में अहिंदी भाषी वर्ग में एन. के. वेकटेश ने पुरस्कार प्राप्त किया। हिन्दी प्रचार-प्रसार के लिए डा. सीमा परौहा, सुनीत कपूर, संतोष कुमार, सुभाष चंद, रजत उपाध्याय, मनोज कुमार, नरेंद्र नयाल, अनुराग वर्मा को पुरस्कार प्र दान किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दो गज की दूरी (सोशल डिस्टेसिंग) का पालन करते हुए निदेशक नरेंद्र मोहन ने कहाकि हिन्दी, देवभाषा संस्कृत की बहन है इस नाते इसका महत्व और बढ़ जाता है। विश्व में मंदारिन (चीनी) के बाद सबसे अधिक बोली और समझी जाने वाली भाषा हिन्दी है। यहां पुस्तकालय में 3 हजार पुस्तकें उपलब्ध करायी जा चुकी है। जिसमें तकनीकी, सामान्य ज्ञान, पर्यावरण एवं साहित्य के साथ-साथ देश-विदेश के विभिन्न प्रसिद्ध लेखकों की कृतियां उपलब्ध है। सरकारी विभागों में हिन्दी का वर्चस्व बढ़ा है।

प्रतिभागी को सम्मानित करते निदेशक नरेन्द्र मोहन।

हिंदी में काम के लिए शर्करा वैज्ञानिक पुरस्कृत

माई सिटी रिपोर्टर

नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट में हिंदी पखवाड़े का आयोजन

कानपुर। नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट में बुधवार को हिंदी पखवाड़े का आयोजन किया गया। एनएसआई में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया।

अधिकारी वर्ग में श्रुतलेख के लिए डॉ. सीमा परौहा, टिप्पण आलेखन के लिए डॉ. जाहर सिंह, विनय कुमार तथा अहिंदी भाषी वर्ग में एनके वेंकटेश को पुरस्कृत किया गया। इसके अलावा विभिन्न प्रतियोगिताओं में डॉ. संतोष कुमार त्रिपाठी, मोतीलाल, रंजन कुमार, उमा शंकर, महेंद्र कुमार, उदय कुमार राम, रमाकांत, कविता दादू, दयाशंकर मिश्र पुरस्कृत हुए। हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए डॉ. परौहा, सुनीत कपूर, संतोष कुमार, सुभाष चंद्र, रजत उपाध्याय, मनोज कुमार, नरेंद्र नयाल, अनुराग वर्मा को पुरस्कार दिया गया। इस मौके पर इंस्टीट्यूट के निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन ने हिंदी पुस्तकालय का उद्घाटन किया है। उन्होंने बताया कि हिंदी का प्रचार तीव्र गति से हो रहा है। मंदारिन (चीनी) भाषा के बाद हिंदी सबसे अधिक बोली और समझी जाने वाली भाषा है। हिंदी देववाणी संस्कृत की बहन है। इससे इसका महत्व और बढ़ जाता है।

हिंदी पुस्तकालय का उद्घाटन करते एनएसआई के निदेशक प्रोफेसर नरेंद्र मोहन।

एनएसआई में हिन्दी प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित किया गया।

एनएसआई : हिन्दी प्रतियोगिताओं के विजेताओं को किया गया सम्मानित

कानपुर। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान (एनएसआई) में हिन्दी दिवस के विभिन्न विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर संस्थान के निदेशक ने हिन्दी पुस्तकालय का भी उद्घाटन किया। श्रुतलेख में डॉ. सीमा परौहा, हिन्दी टिप्पण लेखन में डॉ. जाहर सिंह व विनय कुमार को पुरस्कृत किया। इसी तरह, अन्य विभिन्न प्रतियोगिता के विजेता संतोष कुमार त्रिपाठी, मोती लाल, रंजन कुमार, उमाशंकर, महेंद्र कुमार, उदय कुमार राम, रमाकांत, कविता दादू, दया शंकर मिश्र व एनके वेंकटेश को पुरस्कार देकर सम्मानित किया।